विषैली जेलीफिश

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में विशाखापत्तनम तट पर विषैली जेलीफिश के उत्पन्न होने की सूचना मिली है।

- **पेलागिया नोक्टिलुका**, जिसे **माउव स्टिंगर या बैंगनी-धारीदार जेलीफिश के रूप** में भी जाना जाता है, का डंक दर्दनाक होता है और दस्त, अत्यधिक दर्द, उल्टी व एनाफिलैक्टिक सदमे जैसी विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है तथा इससे जीवन के लिये खतरा हो सकता है।
- यह एक **बैंगनी रंग की पारभासी प्रजाति** है जो तैरते हुए गुब्बारे के समान होती है।
- यह विश्व भर में **उष्णकटिबंधीय और गर्म तापमान वाले समुद्रों** में पाया जाता है।
- अन्य जेलीफिश प्रजातियों के विपरीत, इसके डंक न केवल टेंटेकल्स पर होते हैं, बल्कि शरीर के घंटीनुमा भाग पर भी होते हैं।
- ये **बायोलुमिनिसेंट** हैं, जिनमें अंधेरे में रोशनी उत्पन्न करने की क्षमता है।
- **जेलिफिश की उत्पत्ति तब होती है** जब प्रजातियों की आबादी थोड़े समय के भीतर नाटकीय रूप से बढ़ जाती है, आमतौर पर उच्च प्रजनन दर के कारण। यह अक्सर **समुद्र के बढ़ते तापमान के परिणामस्वरूप** होता है।
- अतीत में यह ज्ञात हुआ है कि इनसे मछली पकड़ने के उद्योग को बड़े पैमाने पर क्षति पहुँची है और पर्यटन पर भी प्रभाव पड़ा है।

//

और पढ़ें: [505 मिलियन वर्ष पुराने जेलीफिश के जीवाश्म](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/venomous-jellyfish